सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

PUNHIN01927-TC

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-1 • EDITOR: ATUL SHARMA • 18 AUGUST TO 24 AUGUST 2019 • VOLUME-4 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • Mobile: 99881-15514 • email:atul_editor@jalandharbreeze.com

अनमोल विचार

समय ना लगाओ तय करने में, आपको करना क्या है, वरना समय तय कर लेगा कि आपका क्या करना है

इस सप्ताह का विचार

बरसात के समय सभी पक्षी रहने के लिए छत ढूंढते है लेकिन चील बारिश को अनदेखा करती हुई बादलों को चीरते हुए, उनके ऊपर उड़ते हुए आगे बढ़ती है
-डा. अब्दुल कलाम

दूसरों को कानून का पाठ पढ़ाने वाले नैशनल हाईवे के अधिकारी कानून को खुद भी मानें

■ जालंधर से नीरज की विशेष रिपोर्ट

जालंधर जम्मू-कश्मीर रोड एन.एच 44 जोकि प्रमुख राष्ट्रमार्गों में से एक है और हिन्दुस्तान के प्रमुख शहरों और राज्यों को आपस में जोड़ता है जोकि इन दिनों लोगों की जान लेने के लिए तुला है। जिस का प्रमुख कारण हाईवे के नियमों के मुताबिक एन एच 44 को न बनाना और न ही इसकी सही तारीके से रख रखाव करना अकसर देखा जाता है कि नैशनल हाईवे लैड एड ट्रैफिक एक्ट 2002 के सैक्शन 26(2) का हवाला देकर आस-पास चल रहे कमर्शियल अदारों पर अनअथराईज आकोपेशन, एकरोचमैंट, इललीगल एक्सैस का नोटिस देकर अपनी जिम्मेवारी से मुक्त हो जाता है और लोगों को कानून का पाठ पढ़ाता है पर वास्तव में हकीकत कुछ और ही है क्योंकि जो जमीन नैशनल हाईवे 44 को नियमों द्वारा बनाने के लिए अधिकृत की जानी थी वो नहीं की गई। जिसके कारण मौजूदा हाईवे बहुत ही तंग बना दिया गया है और नैशनल हाईवे द्वारा जिस कंपनी को रखरखाव का काम दिया गया है उसे भी पूरी तरह से निभाया नहीं जा रहा और सिर्फ टोल टैक्स की वसूली की जा रही है उदाहरण स्वरूप सैंटर वर्ज पर जो लोहे की गिरिले पैदल आने जाने को रोकने के लिए लगाई गई है वो सारी टूटी पड़ी है ओर पानी की निकासी के लिए बनाई गई नालियों पर पैट्रोलिंग टीम द्वारा कब्जे करवा दिए गए है। सलैब कलवर्ट पर ढाबे बनवा दिये गये है कैरिज वै पर कोई जानवर ना आये इस के लिए कोई उचित प्रबंध नहीं किए गए। और दूसरी तरफ से आ रही गाड़ी की लाईट आंखों में ना पड़े उस के लिए पौधों का सही तरीके से रखरखाव नहीं किया गया और ना ही लाईट को

रोकने वाले वर्टिकल हरे रंग के पोस्ट लगाए गए है जिसके कारण रोज कोई ना कोई इंसान गंभीर दुर्घटना का शिकार होकर मौत के मुंह में जा रहा है। हाईवे पैट्रोलिंग टीम के अधिकारी गाड़ियों में तेल डलवा-डलवा कर सरकार के पैसों की बर्बादी कर रहे है। पठानकोट रोड़ पर गुजरते समय अकसर आप को देखने को मिलेगा कि जालंधर-पठानकोट चौक से शुरू होता हुआ ये राष्ट्रमार्ग जिस पर कि सलिप रोड़ की प्रविज़न जहां दी गई है वहां रोड़ शोल्डर मार्जेन मौजूद नहीं है जो कि टू व्हीलर को गाड़ी चलाने के लिए हाईवे पर दर्शाया जाता है और जहां पर रोड़ शोल्डर मार्जेन है वहां पर सलिप रोड़ की प्रविज़न नहीं है इसमें नैशनल हाईवे के द्वारा बड़े पैमाने पर लोगों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। हाईवे **ROW** इस बात की पुष्टि आर. टी.आई द्वारा प्राप्त जानकारी जिसमें चेनिज 4.230 से लेकर 27.500 किलोमिटर की जानकारी 30 मीटर दी गई है। जोकि हकीकत से परे है मौजूदा जमीनी हकीकत पर ऐसा नहीं है। और सलिप रोड़ की जो चौड़ाई है वो भी एक जैसे नहीं है इस हाईवे के सूत्रों से मिली जानकारी द्वारा जितनी भी जमीन हाईवे के पास मौजूद थी उसी पर इस हाईवे को बना दिया गया और जरूरत के मुताबिक जमीन को अधिकृत नहीं किया गया। नैशनल हाईवे का सलिप रोड़ देने का जो प्रावधान है उस पर नैशनल हाईवे द्वारा यह दलील दी जाती है कि वो सलिप रोड़ वहीं पर बनाता है जहां पर हाईवे पर पहले से ही मौजूद कमर्शियल अदारे चल रहे है ओर खाली पड़ी एग्रीकलचर जमीन या भविष्य में आप अगर निर्माण करते हो तो हाईवे की नोटिविकेशन द्वारा आप को उससे एकसैस लेना होगा, जिस के नियम हाईवे द्वारा अपने सुविधा के अनुसार बनाए हुए है जिसमें कहा गया है कि अगर आप की प्रापर्टी के आगे सलिप रोड़ नहीं है उस पर आप कोई कारोबारी अदारा खोलना चाहते हो तो उसके लिए आप को अपने पैसे से 750 मीटर सलिप रोड़ बनानी होगी। दूसरा नियम अगर आप को कोई पैट्रोल पंप या गैस स्टेशन खोलना है उसके लिए आप को डैकलेशन लेन 70 मीटर और एकसरलेशन लेन 100 मीटर सलिप रोड़ कैरिज वे प्रमुख हाईवे पर बनानी होगी। अगर आप को कोई यूनिविस्टी या कालेज प्रमुख राज्य मार्ग पर खोलना है तो फुट ऑफ बिरज ओर सलिप रोड़ दोनों अपने पैसों से बनवानी होगी। इन नियमों को पढ़ कर ऐसे लगता है नैशनल हाईवे ने अपनी गलतियों को ओर अपना पैसे बचाने के लिए लोगों की जान को जोखिम में डालना सही समझा है क्योंकि सब से ज्यादा हैवी वाईकल और हैवी ट्रैफिक पैट्रोल पंप पर जाता है जोकि सबसे ज्यादा कठिन परिस्थितियों में नैशनल हाईवे के कैरिज वै पर चढ़ता है। और कर्मिशयल अदारा जिसमें कि हाईवे द्वारा 9 मीटर या 12 मीटर की ऐंगजिट या ऐंटरी दी जाती है ये नियम जिसकी प्लांट की चौड़ाई 9 मीटर से कम होगी वो कैसे पूरी करेगा। जबकि जिसके प्लांट की चौड़ाई 9 मीटर से ज्यादा होगी वो 750 मीटर सलिप रोड़ और पानी की निकासी के लिए ड्रेन अपने पैसों से कैसे बनाए। इन मनमर्जी नियमों की वजह से ये हाईवे हादसों का हाईवे बन चुका है। जैसे कि कमर्शियल अदारों के निर्माण का राज्य सरकार की निगरानी में बनाए गए महकमें जैसे कि पुड़ा, और लोकल बाडी विभाग द्वारा मंजूरी दी जाती है वो भी ऐसे नियमों को लागू करवाने में असमर्थ है। जिसके कारण राष्ट्र राज्य मार्ग के नजदीक सभी जमीनों पर कमर्शियल अदारे गैरकानूनी तरीकों से विकसित हो जाते है। अगर राज्य की सरकारे केंद्र की इस विभाग के साथ तालमेल बिठा कर कर्मिशयल अदारे के लिए नियम पैट्रोल पंप की तरज पर तीस मीटर के नियम को 750 मीटर के नियम की जगह पर लागू करवाये जिससे राज्य में हो रहे गैरकानूनी निर्माण से राजस्व का जो घाटा हो रहा है उसे कम किया जाए।

क्योंकि सलिप रोड़ बनाने का मकसद सिर्फ यातायात को नैशनल हाईवे के कैरिज वै पर सीधा चढ़ने पर रोकना है और जहां पर सलिप रोड़ पहले से ही एन.एच. द्वारा बनाई गई है वहां पर एक्सैस लेने के लिए क्या जरूरत है। ये तो नैशनल हाईवे द्वारा राज्य की सरकार को और उसकी जनता को परेशान किया जा रहा है और अपने द्वारा की गई गलतियों पर परदा डाला जा रहा है और सारी जिम्मेवारी राज्य की सरकारों पर डाली जा रही है। जबकि स्थिति हकीकत से विपरीत है।

राज्य के चीफ सैक्टरी को इस गंभीर मुद्दे पर नैशनल हाईवे के अधिकारियों के साथ चर्चा करनी चाहिए और नियमों को सरल बना कर लोगों को रूल ऑफ लॉ की तरफ लेकर आना चाहिए। जिससे कि राज्य की वित्तीय हालत को सुधारा जा सके और लोगों को अपनी जमीनों पर कारोबार करने के लिए बहु महत्व तबदीली करवाने की मंजूरी दी जाए और उन अधिकारियों पर निश्चित रूप से कोई ठोस कारवाई होनी चाहिए जिनके कारण कई परिवारों के अन्नदाता इस दुनिया से जा चुके है। अधिकारियों की तनख्वाह से पीड़ित परिवारों को गुजारा भत्ता दिलवाना चाहिए। इस हाईवे के रखरखाव में जो कमियां दर्शायाई गई है यह जांच का विषय है।

अफवाहों पर रोक के लिए जम्मू में फिर से मोबाइल इंटरनेट बंद, कश्मीर घाटी में भी लगाई गईं पाबंदियां

■ श्रीनगर/ब्यूरो

जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद सरकार लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। हिंसा की कुछ घटनाओं के बाद जम्मू, रियासी, सांबा, कठुआ और उधमपुर जिले में मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है. सरकार ने यह कदम अफवाहों के फैलने से रोकने के लिए एतिहात के तौर पर उठाया है। शुक्रवार देर रात ही इन जिलों में इंटरनेट सेवा बहाल की गई थी। वहीं दूसरी तरफ श्रीनगर में फिर से लौट रौनक रही है। सड़कों पर लोगों की आवाजाही रही। कश्मीर में सोमवार से स्कूल और कॉलेज खुलेंगे। इसके अलावा सोमवार से ही सभी सरकारी दफ्तरों के कर्मचारी भी काम पर लौटेंगे। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि सऊदी अरब से हज तीर्थयात्रियों का पहला बैच कश्मीर लौट आया है। उन्होंने बताया कि

शेष पृष्ठ 4 पर »

देश में भयंकर मंदी लेकिन सरकार के लोग खामोश हैं: प्रियंका

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

प्रियंका ने ट्वीट कर कहा, देश का आम नागरिक भाजपा सरकार के शीर्ष नेताओं से, वित्त मंत्री से इस भयंकर मंदी पर भी कुछ सुनना चाहता है। उन्होंने सवाल किया, फैक्ट्रियाँ बंद हो रही हैं, नौकरियाँ खत्म हो रही हैं, लेकिन सरकार के लोगों का मुँह नहीं खुल रहा। क्यों?

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने अर्थव्यवस्था में सुस्ती को लेकर शनिवार को सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि इस भयंकर मंदी पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और सरकार में बैठे लोगों का मुंह नहीं खुल रहा है। प्रियंका ने ट्वीट कर कहा, देश का आम नागरिक भाजपा सरकार के शीर्ष नेताओं से, वित्त मंत्री से इस भयंकर मंदी पर भी कुछ सुनना चाहता है। उन्होंने सवाल किया, फैक्ट्रियाँ बंद हो रही हैं, नौकरियाँ खत्म हो रही हैं, लेकिन सरकार के लोगों का मुँह नहीं खुल रहा। क्यों?

प्रियंका ने एक खबर भी शेयर की जिसके मुताबिक वाहनों की बिक्री में पिछले 19 वर्षों की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है और ऑटो क्षेत्र में 10 लाख से अधिक लोगों की नौकरी जाने का खतरा है। कांग्रेस महासचिव ने उन्नाव बलात्कार मामले के आरोपी विधायक की तस्वीर वाला एक विज्ञापन अखबार में छपने को लेकर भी भाजपा पर निशाना साधा। इस विज्ञापन में स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी गई है। उन्होंने दावा किया, सीबीआई ने रिपोर्ट दे दी।

उच्चतम न्यायालय ने फटकार लगा दी, लेकिन भाजपा वालों के दिल में अब भी बलात्कार के आरोपी कुलदीप सिंह सेंगर का वास है। भाजपा के बड़े नेताओं का फोटो भी उनके साथ है, क्या उनसे कोई टिप्पणी आएगी?

पाकिस्तान के जख्म पर अमेरिका का नमक

आर्थिक मदद में 3100 करोड़ की कटौती की गई

■ वॉशिंगटन/ब्यूरो

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में मिले झटके के बीच पाकिस्तान को एक और बहुत बड़ी झटका लगा है। पैसों की किल्लत से जूझ रहे पाकिस्तान को अमेरिका ने एक झटका दिया है। पाकिस्तानी अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक अमेरिका पाकिस्तान को दी जाने वाली आर्थिक मदद में 440 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानी करीब 3100 करोड़ रुपये की कटौती की है। अमेरिका पाकिस्तान को यह आर्थिक मदद पाकिस्तान इनहेंस पार्टनरशिप एग्रीमेंट 2010 के तहत देता था। एक्सप्रेस ट्रिब्यून के इमरान खान की अमेरिका यात्रा से तीन हफ्ते पहले ही इस बात की जानकारी पाकिस्तान को दे दी गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान इनहेंस पार्टनरशिप एग्रीमेंट, केरी लुगर बर्मन एक्ट को बनाए रखने के लिए सितंबर 2010 में साइन किया गया था. केरी लुगर बर्मन एक्ट को अमेरिकी संसद ने अक्टूबर 2009 में पास किया था।

इस एक्ट के तहत पांच साल में अमेरिका पाकिस्तान को 7.5 अरब अमेरिकी डालर की आर्थिक मदद की व्यवसअथा की गई थी। अमेरिका के पाकिस्तान को झटके से पहले 4.5 अरब डॉलर की मदद दी जानी थी जो अब घटकर 4.1 अरब डॉलर पर आ गई है।

पिछले साल सितंबर में अमेरिका की मिलिट्री मे पाकिस्तान को दी जाने वाली सहायता में 300 मिलियन डॉलर की कटौती की थी। इसके पीछे जो कारण दिया गया था उसमें बताया गया था कि पाकिस्तान ने आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉन्ड ट्रंप पर पाकिस्तान को इस बाबत पहले ही चेतावनी दे चुके थे। इसके साथ ही पाकिस्तान के हक्कानी नेटवर्क को खत्म करने में असफल रहने पर पेंटागन ने आर्थिक मदद में एक अरब डॉलर की कटौती कर ली थी। बता दें पाकिस्तान कुछ समय से आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहा है।

नए प्रधानमंत्री इमरान खान के सामने सबसे बड़ी चुनौती पाकिस्तान को इस आर्थिक संकट से उबारने की है. इमरान खान सरकारी खर्चों में कटौती इस उस कदम भी उठाए हैं। पाकिस्तान के ऊपर पहले से दुनिया भर की तमाम संस्थाओं का कर्जा है, उसे अब और कर्जा मुश्किल हैं। ऐसे में अमेरिका की ओर से मदद रोक जाने का एलान पाकिस्तान के नासूर पर नमक जैसा है।

पाकिस्तान ने राजौरी जिले में फिर किया संघर्ष विराम का उल्लंघन, एक जवान शहीद

■ जम्मू/ब्यूरो

पाकिस्तान ने एक बार फिर संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास अग्रिम चौकियों और गांवों में मोर्टार दागे और छोटे हथियारों से गोलीबारी की, जिसमें एक सैनिक की जान चली गई। यह उल्लंघन ऐसे समय में हुआ है जब दो दिन पहले ही पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा के पास उसकी चौकियों पर भारतीय सेना द्वारा गोलीबारी करने का दावा किया था। उसने इसमें अपने चार सैनिकों के मारे जाने की बात भी कही थी। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में पाकिस्तान की ओर से की गई गोलीबारी में देहरादून निवासी लांस नायक संदीप थापा (35) बुरी तरह घायल हो गए। उन्होंने बताया कि गोलीबारी सुबह साढ़े छह बजे के आसपास की गई। सीमा पर तैनात भारतीय सेना ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया। अधिकारी ने बताया कि आखिरी रिपोर्ट मिलने तक दोनों तरफ से गोलीबारी जारी थी। जवाबी गोलीबारी में पाकिस्तान को पहुंचे नुकसान की तत्काल कोई जानकारी अभी नहीं है।गौरतलब है कि जम्मू के राजौरी और पुंछ जिलों में पिछले सप्ताह पाकिस्तान की ओर से की गई गोलाबारी में सेना के दो जवान शहीद हो गए थे और 10 महीने के एक बच्चे की जान चली गई थी। गोलीबारी में कई नागरिक घायल भी हुए थे।

ट्विटर

मौजूदा परिस्थितियों में सेना को मजबूती प्रदान करना जरूरी था। इससे भी ज्यादा जरूरी यह है कि युद्ध या संकट के समय सेनाओं के बीच तालममेल बना रहे।

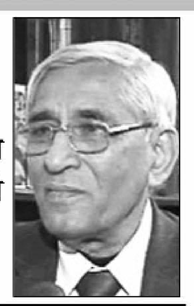

-पीके सहगल, रक्षा विशेषज्ञ

उक्ति

"खुश रहना सीखो, क्योंकि परेशान होने से भविष्य में आने वाली मुश्किलें समाप्त नहीं होती हैं, बल्कि इसके कारण वर्तमान समय का सुकून भी दूर चला जाता है।

-आचार्यश्री विद्यासागर

दखल

मोदी के भाषण में हर वर्ग की चिंता

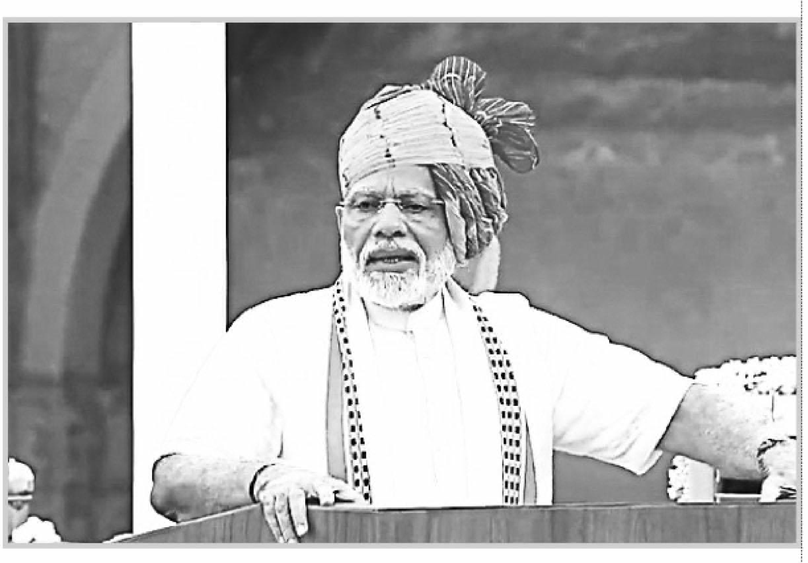

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 73वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ' (सीडीएस) का पद बनाने की अहम घोषणा की और साथ ही देश में जनसंख्या नियंत्रण और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की जरूरत पर जोर दिया। मोदी ने अपने भाषण में हर उस पहलू को छुआ, जो हमारे जीवन में किसी न किसी तरह से महत्व रखते हैं, मगर हमें उनकी फिक्र नहीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 73वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ' (सीडीएस) का पद बनाने की अहम घोषणा की और साथ ही देश में जनसंख्या नियंत्रण और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की जरूरत पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने देश में जनसंख्या विस्फोट पर चिंता जताते हुए कहा कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए नई चुनौतियां पेश करता है। मोदी ने कहा कि इससे निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि बेतहाशा बढ़ रही जनसंख्या चिंता का विषय है और समाज का एक छोटा वर्ग जो अपना परिवार छोटा रखता रहा है, वह सम्मान का हकदार है। जो वे कर रहे हैं वह एक प्रकार की देशभक्ति है। यह पहली बार है जब मोदी ने जनसंख्या का मुद्दा उठाया है। हालांकि भाजपा के कुछ नेता इस पर खुलकर बात करते हैं। हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए जनसंख्या विस्फोट कई समस्याओं का कारण बनेगा, लेकिन जनता की एक सतर्क श्रेणी ऐसी भी है जो एक बच्चे को दुनिया में लाने से पहले यह सोचते हैं कि वह उस बच्चे के साथ न्याय कर पाएंगे या नहीं, वह जो कुछ भी चाहता/चाहती है उसे वह सबकुछ दे पाएंगे या नहीं। उनका परिवार छोटा है और वह इसके माध्यम से अपनी देशभक्ति जाहिर करते हैं। हमें उनसे सीखना चाहिए। सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता है।'

प्रधानमंत्री मोदी ने उन लोगों की सराहना की जिनका परिवार छोटा है। उन्होंने कहा कि ऐसे परिवार एक तरह से देश की सेवा ही कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'छोटे परिवार की नीति का पालन करने वाले राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं, यह भी देशभक्ति का एक रूप है।' पीएम ने जनसंख्या विस्फोट को शिक्षा व रोजगार से भी जोड़ा। उन्होंने कहा कि आबादी को शिक्षित और स्वस्थ रखना जरूरी है। हम अशिक्षित समाज के बारे में नहीं सोच सकते हैं। ऐसे में परिवार छोटा होगा तो ये चीजें आसान होंगी। जिनका छोटा परिवार है, उनसे सीखने की जरूरत है। इस दौरान लाल किले से पीएम ने भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद देश के लिए खतरा है। यह दीमक की तरह देश में घुस गया है। इसे निकालने का प्रयास किया जा रहा। लेकिन यह बीमारी अंदर तक है। गहरी है। अनेक प्रयास करते रहने होंगे। यह एक बार से खत्म होने वाली चीज नहीं है।

इस मौके पर प्रधानमंत्री तीन तलाक और धारा-370 खत्म करने को नहीं भूले। उन्होंने लाल किले की प्राचीर से कहा कि देश की मुस्लिम बेटियां डरी हुई थीं। भले ही वो तीन तलाक की शिकार नहीं बनी हों लेकिन उनके मन में डर रहता था। तीन तलाक को कई इस्लामिक देशों ने भी खत्म कर दिया था, तो हमने क्यों नहीं किया। अगर देश में सती प्रथा, दहेज और भ्रूण हत्या के खिलाफ कानून बना सकते हैं तो तीन तलाक के खिलाफ क्यों नहीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना पटेल के सपने को साकार करने जैसा है। आजादी के बाद से अभी तक जिन्होंने देश के विकास में योगदान दिया है, उनको भी वह नमन करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि नई सरकार को दस हफ्ते भी नहीं हुए हैं, लेकिन इतने कम समय में भी हर क्षेत्र में काम किया जा रहा है। दस हफ्ते के भीतर ही अनुच्छेद 370, 35ए का हटना सरदार वल्लभ भाई पटेल के सपनों को साकार करने में एक कदम है। विपक्षी पार्टियों पर हमला करते हुए कहा कि अगर अनुच्छेद 370 जम्मू कश्मीर के हित में था तो आप लोगों ने इसे पर्मानेंट क्यों नहीं किया। अनुच्छेद 370 के हटने से एक देश एक संविधान का सपना साकार हुआ।

दूसरी बार सरकार में आने के बाद से मोदी पानी का मुद्दा उठा रहे हैं। लालकिले से भी उन्होंने इस समस्या पर बात की। मोदी ने कहा कि पानी की समस्या को दूर करने के लिए सरकार आने वाले दिनों में साढ़े तीन लाख करोड़ रुपए खर्च करेगी जिसमें जल संचय, जल सिंचन, वर्षा के पानी को रोकना, खराब पानी को शुद्ध करना, समुद्री जल को पीने योग्य बनाना, पानी बचाने के काम करना शमिल होगा। जल संरक्षण का अभियान जन सामान्य का अभियान बनना चाहिए। यह सरकारी अभियान नहीं बनेगा। हम इसे स्वच्छ भारत अभियान की तरह जन-जन तक पहुंचाएंगे। पानी के क्षेत्र में पिछले 70 साल में जो काम हुआ है, हमें पांच साल में चार गुने से भी ज्यादा तेजी से काम को करना है। मोदी यहां से आगे बढ़े तो भाई-भतीजावाद पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि भाई-भतीजावाद आम जीवन में दीमक की तरह घुसा हुआ है। व्यवस्था चलाए जाने वाले लोगों के दिल, दिमाग में बदलाव की जरुरत है। भ्रष्टाचार दूर करने के लिए हर स्तर पर कोशिश जरूरी है। ईमानदारी, पारदर्शिता को बल देने की जरुरत है। भाई-भतीजावाद को दूर करने की जरुरत है। यह बीमारी अंदर तक है। इसे दूर करने के लिए अनेक प्रयास करते रहने होंगे। यह एक बार से खत्म होने वाली चीज नहीं है।

पीएम मोदी ने कहा कि पांच ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था कई लोगों को मुश्किल लग सकती है, मैं मानता हूं चुनौती बड़ी है लेकिन सोचेंगे नहीं तो देश कैसे चलेगा, हम आगे कैसे बढ़ेंगे। हमारा सपना बड़ा होना चाहिए। आजादी के 70 सालों में देश दो ट्रिलियन इकोनॉमी तक पहुंचा। फिर 2014 से 19 तक हम लोग 2 से 3 ट्रिलियन तक पहुंच गए। देशवासी साथ चलें तो पांच ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था मुश्किल नहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया भारत को बाजार मानती है लेकिन अब हमें भी दुनिया के लिए तैयार रहना होगा। हर जिले में एक खूबी है, कोई पेंटिंग के लिए मशहूर है तो कोई साड़ी के लिए। इसे दुनिया में प्रचारित करना चाहिए। देश के उत्पाद को ग्लोबल मार्केट तक पहुंचाना जरूरी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने परोक्ष रूप से पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि आज दुनिया के किसी ना किसी हिस्से में कुछ हो रहा है, भारत ऐसे में मूकदर्शक नहीं बना रहेगा। उन्होंने ऐलान किया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत अपनी लड़ाई जारी रखेगा, आतंकवाद को एक्सपोर्ट करने वालों को बेनकाब करने का वक्त आ गया है। कुछ लोगों ने भारत के साथ-साथ श्रीलंका, बांग्लादेश व अफगानिस्तान में भी आतंकवाद फैला रखा है। मोदी ने आतंकवाद को लेकर पूरी दुनिया को एकजुट होने का आह्वान किया और कहा कि यह समस्या किसी एक देश की नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने अफगानिस्तान को उनके आने वाले स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से कहा कि आज देश की सोच बदल गई है। पहले जो व्यक्ति बस अड्डे की मांग करता था, आज वह पूछता है कि हवाई अड्डा कब आएगा। पहले गांव में पक्की सड़क की मांग होती थी और आज लोग पूछते हैं कि सड़क फोर लेन बनेगी। बिजली का कनेक्शन होने के बाद लोग पूछते हैं कि 24 घंटे बिजली कब आएगी। यह देश में बदलाव की बानगी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सब मिलकर तय करें कि पर्यटन को कैसे बल देना है। भारत दुनियाभर के लिए अजूबा हो सकता है। आज दुनिया हमारे साथ व्यापार करने की इच्छा रखती है। हमें इस अवसर को जाने नहीं देना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर पर्यावरण को बेहतर बनाने की मांग भी देश से की। उन्होंने कहा कि देश में अब सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद होना चाहिए। चलिए दो अक्टूबर से इसकी शुरुआत करें। देश ही नहीं पूरी दुनिया में जिस तरह से ग्लोबल वार्मिंग बढ़ती जा रही है, दुनिया के कई देश धरती के गर्म होते तापमान को लेकर चिंतित हैं। ऐसे में हमें भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। प्रधानमंत्री की अपील भले ही अभी आई हो, मगर इस दिशा में पूरे देश को बहुत पहले सोचना शुरू करना चाहिए था।

विशेष संपादकीय

सेना को मजबूत करना जरूरी

कार्रवाई से बचने सपा सांसद आजम खान ने सांसद रमा देवी पर विवादित बयान के लिए संसद में माफी मांग ली है। लेकिन सवाल यह है कि क्या भविष्य में संसद में इस तरह की घटनाएं नहीं होंगी? और अगर होंगी तो उन्हें रोकने के लिए क्या प्रावधान किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 73वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के मौके पर लालकिले की प्राचीर से बड़ा एलान करते हुए तीनों सेनाओं के लिए एकीकृत चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बनाने का एलान किया। कारगिल युद्ध के बाद बनी रिव्यू कमेटी ने भी सीडीएस का पद सृजन करने की सिफारिश की थी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का पद फाइव स्टार रैंक जनरल के सामानांतर होगा व तीनों सेनाओं थल, वायु, जल का जनरल होगा। इसकी जिम्मेदारी तीनों सेनाओं के बीच समन्वय मजबूत करने और सैन्य ऑपरेशन की स्थिति में रणनीति पर तेजी से अमल करने की होगी। आजादी के बाद तक देश में यह व्यवस्था थी, लेकिन प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने सैन्य बल का विकेंद्रीकरण करके चीफ आफ डिफेंस स्टाफ के पद को समाप्त कर दिया था। कारगिल जंग के बाद बनी समीक्षा समिति ने इस पद को बहाल करने की सिफारिश की थी। समिति के चेयरमैन विदेश मंत्री एस. जयशंकर के पिता के. सुब्रमण्यम थे। सीडीएस की सिफारिश के मायनों को देखें तो कारगिल युद्ध के दौरान वायुसेना व भारतीय सेना के बीच तालमेल का अभाव साफ दिखाई दिया था। वायुसेना के इस्तेमाल पर तत्कालीन वायुसेनाध्यक्ष और सेनाध्यक्ष जनरल वीपी मलिक की राय अलग-अलग थी। भारतीय सामरिक रणनीतिकारों ने भी इस कमी को महसूस किया और सरकार से फिर से सीडीएस के गठन की सिफारिश की। अभी की व्यवस्था देखें तो सरकार ने तीनों सेनाओं में सबसे वरिष्ठ जनरल को चीफ आफ आर्मी स्टाफ की मंजूरी दी है। तीनों सेनाओं ने लगातार सीडीएस के गठन की मांग की, लेकिन सरकारें सीडीएस के गठन से परहेज करती रही। करीब 19 साल तक यह सिफारिश ठंडे बस्ते में पड़ी रही। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से इसका एलान कर दिया। सरकार और रक्षा मंत्रालय के सामने सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न सीडीएस की वैधानिक स्थिति और प्रोटोकॉल को लेकर था। मौजूद तीनों जनरल फोर स्टार और रक्षा सचिव के समकक्ष हैं। ऐसे में जनरलों के जनरल का ओहदा क्या होगा? क्या वह साढ़े चार या फाइव स्टार जनरल होगा? या फिर रक्षा सचिव से ऊपर या कैबिनेट सेक्रेटरी के बराबर का दर्जा होगा? ऐसा होने पर अन्य प्रोटोकॉल की स्थिति क्या होगी? थल, वायु और नौसेना की सीडीएस पद पर अलग अलग दावेदारी भी आड़े आ रही थी। कुल मिलाकर सरकार रक्षात्मक होकर चल रही थी। सरकार का एक डर और था कि कहीं फाइव स्टार जनरल चीफ ऑफ स्टाफ परिस्थिति विशेष में पाकिस्तान की तरह सैन्य शासन जैसी पहल न कर दे। पाकिस्तान में वैसे भी कई बार सैन्य शासन हो चुका है। हालांकि पाकिस्तान की तुलना भारतीय जनरल और सैन्यबल हमेशा कहीं अधिक अनुशासित और प्रोफेशनल रहे हैं। नाटो (नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन) से जुड़े ज्यादातर देशों में सेनाओं के सर्वोच्च पद पर चीफ ऑफ डिफेंस नियुक्त करने की व्यवस्था है।

ब्रेग्जिट और भविष्य का संकट

रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने उदारवादी वैश्विक अर्थव्यवस्था के युग में जब लोकतंत्र में उदारवादके समाप्त होने का अंदेशा जताया था तो इसकी कड़ी प्रतिक्रिया हुई थी। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष डोनल्ड टस्क ने जवाब देते हुए कहा था कि ऐसा सोचना ठीक वैसा ही है जैसे दुनिया में आजादी का समाप्त हो जाना या फिर कानून के शासन और मानवाधिकारों का बेकार हो जाना। दरअसल, उदारवाद को लेकर कई देशों की आंतरिक और वैश्विक राजनीति में भारी विरोधाभास देखने को मिल रहे हैं। विश्व के सबसे बड़े बाजार यूरोपियन यूनियन का आर्थिक द्वार ब्रिटेन भी इस नीति को लेकर गहरे पसोपेश में है। ब्रिटिश समाज मुफ्त व्यापार के फायदों व अपने देश की आर्थिक प्रगति से ज्यादा अप्रवासन की उन चुनौतियों से ज्यादा आशंकित है जो पूर्वी यूरोप और गृहयुद्ध से जूझ रहे अरब और अफ्रीकी देशों से आ रही है। यहां के निवासियों को लगता है कि यूरोपीय यूनियन में ज्यादा समय तक बने रहने से न केवल उनका सांस्कृतिक और सामाजिक परिदृश्य बदल जाएगा, बल्कि स्थानीय नागरिकों के सामने रोजगार और सुरक्षा का संकट भी गहरा सकता है। ब्रेग्जिट पर यूरोपीय संघ के साथ समझौते को संसद से पास न करा पाने से निराश थेरेसा मे के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद भी देश की आंतरिक राजनीति में उथल-पुथल थमती नहीं दिखाई पड़ रही है। नए प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन परंपरावादी माने जाते हैं और वे उदारवाद के नाम पर अप्रवासन और यूरोपीय संघ के मु त आवाजाही के नियमों को बर्दाश्त कर लें, इसकी संभावनाएं नगण्य हैं। दुनिया भर में उदारवादी लोकतंत्र को मार्ग दिखाने के लिए ब्रिटेन की पहचान रही है। लेकिन वर्तमान में दक्षिणपंथी राजनीति के वैश्विक उभार का व्यापक असर यहां के समाज पर भी देखने को मिल रहा है। यूरोपीय संघ के मु त अर्थव्यवस्था के इतर फ्रीडम ऑफ मूवमेंट का विरोध जिस प्रकार ब्रिटेन में किया गया, उससे दुनियाभर की साझा संस्कृति वाले समाज की कमजोर होती जड़ें खुल कर सामने आई हैं। इस समय ब्रिटेन की राजनीति में उथल-पुथल होने का सबसे बड़ा कारण ही यह है कि यूरोपीय संघ के लिए भले ही अर्थव्यवस्था बड़ा मुद्दा हो लेकिन ब्रिटेन के लिए अप्रवासन को बड़ी समस्या और चुनौती मान लिया गया है। साल 2011 में ब्रिटेन में जनगणना करने वाले विभाग ऑफिस फॉर नेशनल स्टेटिस्टिक्स ने जब ब्रिटेन की जनसंख्या के आंकड़े जारी किए तो उसकी भी यहां के परंपरावादी समाज में कड़ी प्रतिक्रिया देखी गई थी। इसके अनुसार ब्रिटेन की जनसंख्या को छह करोड़ 32 लाख बताया गया था जिसमें ब्रिटेन के स्थानीय निवासियों का अनुपात वर्ष 2001 की जनगणना के 87 फीसद के मुकाबले घट कर 80 फीसद बताया गया था। आंकड़ों के अनुसार ब्रिटेन के मुख्य प्रांतों इंग्लैंड और वेल्स में हर आठवां व्यक्ति विदेश में जन्मा है। ब्रिटेन के जनसंख्या अनुपात में पिछले दस सालों में आए बदलाव के लिए मुख्य कारण अप्रवासियों का ब्रिटेन आना बताया गया। इन सभी कारणों से ब्रिटिश राजनीति में अप्रवासन की समस्या को लेकर हलचल बढ़ गई।

ब्रिटेन के यूरोपीय यूनियन से बाहर आने के संकट का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। स्वयं ब्रिटेन की आंतरिक सुरक्षा के लिए भी यह बड़ी चुनौती बन सकता है। ब्रिटेन के यूरोपीय यूनियन से अलग होने से अन्य देश भी अलगाव के रास्ते पर जा सकते हैं।

इसका असर जनमत संग्रह में भी देखने को मिला। साल 2016 में ब्रिटेन में हुए जनमत संग्रह में लोगों से यह सवाल किया गया कि आप यूरोपीय संघ के सदस्य बने रहना चाहते हैं या उससे बाहर निकलना चाहते हैं। जवाब में 52 फीसद लोगों ने यूरोपीय संघ से बाहर निकलने के पक्ष में मतदान किया था, जबकि उसमें बने रहने के पक्ष में मतदान करने वाले अपेक्षाकृत कम थे और 48 प्रतिशत लोगों ने यूरोपीय संघ के पक्ष में वोट दिया था। ये नतीजे अप्रत्याशित थे। इस जनादेश को कंजर्वेटिव पार्टी के लिए लोकप्रिय माना गया और इसे इसे ब्रिटिश समाज में राष्ट्रवाद के उभार के तौर पर देखा गया था। बोरिस जॉनसन लगातार ब्रिटेन के यूरोपीय यूनियन से अलग होने के समर्थक बने हुए हैं। उन्हें दक्षिणपंथी विचारधारा की ओर झुकाव के लिए जाना जाता है। लोकतंत्र को लेकर सबसे ज्यादा उदारता दिखाने वाले ब्रिटिश समाज का इस समय राष्ट्रवाद के रूप में उभरने वाला परंपरावादी रुख वैश्विक प्रभाव डाल सकता है। याद रहे कि अतिवादी राष्ट्रवादी विचारधारा के कारण ही द्वितीय युद्ध हुआ था और यह समूची यूरोपीय अर्थव्यवस्था के विनाश का कारण बना था। लेकिन 50 के दशक में जर्मनी, इटली, फ्रांस, बेल्जियम, नीदरलैंड और लक्जमबर्ग जैसे देश लामबंद हुए और 1957 में यूरोपीय आर्थिक समुदाय अस्तित्व में आया। वर्ष 1985 में शेंजन की संधि हुई जिसके द्वारा यूरोपीय नागरिकों के मुफ्त आवागमन का प्रावधान किया गया। यूरोपीय संघ 28 देशों की एक आर्थिक व राजनीतिक सहभागिता वाली व्यवस्था है। ये देश एक संधि के द्वारा संघ के रूप में जुड़े हुए हैं, ताकि व्यापार आसानी से हो सके। ब्रिटेन के यूरोपीय यूनियन से बाहर आने के संकट का अब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। स्वयं ब्रिटेन की आंतरिक सुरक्षा के लिए भी यह बड़ी चुनौती तक बन सकता है। ब्रिटेन के यूरोपीय यूनियन से अलग होने से अन्य देश भी अलगाव के रास्ते पर जा सकते हैं। स्कॉटलैंड और आयरलैंड के लोग इस संधि में बने रहना चाहते हैं, अत: ब्रिटेन के अलग होने से अलगाववाद पुन: यहां सिर उठा सकता है। इन दोनों प्रांतों के निवासियों ने पहले ही यूरोपीय यूनियन में बने रहने के पक्ष में मतदान किया था। वैसे यूरोपीय यूनियन के देश आर्थिक समझौते के साथ सांस्कृतिक एकता भी चाहते रहे हैं। यह इलाका ईसाई बाहुल्य के लिए जाना जाता है लेकिन तुर्की के प्रभाव से मुसलिम अप्रवासन बढ़ने को बड़ा संकट माना गया। इसके साथ ही अरब से अफ्रीका के गृह युद्ध से पनपे संकट में शरणार्थियों के लिए जर्मनी ने उदारता से अपने द्वार खोले। जर्मनी भी यूरोपीय यूनियन का सबसे बड़ा और प्रभावी देश माना जाता है अत: इसका प्रभाव अन्य देशों पर पड़ा और ब्रिटेन के समाज को अप्रवासन देश के लिए सांस्कृतिक संकट महसूस हुआ। यही नहीं, मुफ्त आवाजाही के कारण यूरोप के अन्य देशों के नागरिक ब्रिटेन में आकर रोजगार तलाशने लगे और स्थानीय लोगों में प्रवासियों के प्रति असंतोष उत्पन्न हुआ। यूरोपीय संघ के दूसरी सबसे बड़ी जनसं या वाले देश ब्रिटेन को इसके प्रशासनिक संचालन में भी बड़ी आर्थिक भूमिका निभानी होती है जिससे इस देश के लोगों को लगता है कि उन पर ब्रिटिश सरकार का नहीं, बल्कि यूरोपीय संघ का नियंत्रण हो गया है। यूरोपीय संघ के मु त व्यापार के साथ मुफ्त आवाजाही, और नियमों के पालन को भी यहां का समाज अपनी स्वतंत्रता के विरुद्ध मानने लगा है। यूरोपीय संघ के विकास को लोकतंत्र का विकास माना गया क्योंकि इसका सदस्य वही देश बन सकता है जो लोकतांत्रिक हो और जिसका मानवाधिकारों का भी बेहतर रिकार्ड हो। ब्रिटेन दुनिया के बहुलतावादी समाज का प्रतीक रहा है और वहां के उदारवादी समाज का कड़ा रुख बहु-सांस्कृतिक ढांचे पर ही कड़ा प्रहार है। बहरहाल, ब्रेक्जिट से बाहर होने की ब्रिटिश सरकार की राष्ट्रवादी भावनाओं के उभार की कोशिशों के बीच दुनिया में बहु-संस्कृतिवाद के अस्तित्व को लेकर आशंकाएं गहराने लगी हैं।

आजादी के अर्थ समझें हम सभी

हम भारत की आजादी की 72वीं सालगिरह मना रहे हैं। इन वर्षों में देश ने कई ऐसे पड़ाव पार किए हैं, जब कभी तो गर्व की अनुभूति हुई, तो कभी हमने शर्मिंदगी महसूस की। खट्टे-मीठे अनुभव लिए आजादी साल दर साल सफर तय कर रही है। बहरहाल, इन 72 वर्षों में नए आयामों को छूते हुए भारत ने एक महाशक्ति के रूप में अपनी पहचान कायम की है। इसमें कोई संदेह नहीं कि इन वर्षों की यात्रा में देश ने बहुत कुछ पाया है। आर्थिक उन्नति से लेकर वैज्ञानिक तर की तक के जो आयाम हमने रचे हैं, वे पूरी दुनिया का ध्यान हमारे देश की तरफ खींचते हैं। विकास की इतनी तेज रफ्तार से उभरता हुआ भारत कई देशों की आंखों का कांटा बन चुका है। अंतरिक्ष से लेकर जमीन तक, हम कहीं किसी से पीछे नहीं हैं। अब कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां भारतीयों को दोयम समझा जाता हो। मगर फिर भी एक टीस तो बरकरार है ही। हम भारतीय भारतीयता के उस मायने को पीछे छोड़ते जा रहे हैं, जिसमें हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने सौहार्द, बंधुत्व की भावना व एकजुटता की कामना की थी। भारत दुनिया के उन देशों में से है, जिसने लंबे समय तक गुलामी की मार सही है। कड़े संघर्ष के बाद गुलामी की जंजीरों को तोड़कर मिली आजादी के मायने अपने आप में बेहद खास हैं। 15 अगस्त 1947 को भारत आजाद हुआ था। आज भी इस दिन की खुशी व मायने हर खुशी से बढ़कर है। 15 अगस्त को 32 करोड़ लोगों ने आजादी की सुबह देखी थी। आज 70 वर्षों बाद सवा अरब भारतीय खुशी का इजहार करते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आजादी के बाद से अब तक बहुत कुछ पाया है। आर्थिक उन्नति से लेकर वैज्ञानिक तरक्की तक के जो आयाम हमने रचे हैं, अब वे पूरी दुनिया का ध्यान हमारी तरफ खींचते हैं। इस स्वतंत्रता दिवस पर हमारे सामने बस एक ही प्रश्न होना चाहिए कि या हम उसे देखकर संतुष्ट हो जाएं, जो अब तक हमने पाया है या कोई असंतोष का भाव भी हमारे मन में हो, ताकि हम उसे पाने की कोशिश करते रहें, जो हमें मिला नहीं है? भारत एक आध्यात्मिक देश है। यहां आध्यात्मिक ऊंचाइयां छूने पर जोर दिया गया है, जबकि भौतिकता को नकारा गया है। इसीलिए हमारे मनीषियों ने संतोष को परमसुख' बताया है। पिछले कुछ वर्षों में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की आवाज को ध्यान से सुना जाने लगा है। अंग्रेज हमें साधु-सपेरों का देश कहते थे, पर अब दुनियाभर में भारत की प्रतिभा का लोहा माना जा रहा है। भारत एवं भारतीयों के बारे में दुनिया को अपनी धारणा बदलनी पड़ी है। इसके बाद भी बहुत कुछ ऐसा है, जो हमारे पास होना चाहिए था, पर नहीं है। समाज का बड़ा वर्ग अपनी वह संवेदना भी खोता जा रहा है, जो एक समय भारतीयता की सबसे बड़ी पहचान थी। उम्मीद है कि इस बार आजादी के पर्व पर हम देश में व्याप्त सभी बुराइयों को दूर करने का संकल्प लेंगे।

पिछले कुछ वर्षों में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की आवाज को ध्यान से सुना जाने लगा है। अंग्रेज हमें साधु-सपेरों का देश कहते थे, पर अब दुनियाभर में भारत की प्रतिभा का लोहा माना जा रहा है। हमें इस उपलब्धि को सहेज कर रखने की जरूरत है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)

Editor: ATUL SHARMA*

*Responsible for selection of News under the PRB ACT.

PUNHIN01927, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.

अचानक कंप्यूटर या लैपटॉप का की-बोर्ड खराब हो जाता है, मगर कुछ जरूरी काम या फिर कोई ऑनलाइन फॉर्म भरना है तो कंप्यूटर में पहले से मौजूद यानी प्रीलोडेड 'ऑनस्क्रीन की-बोर्ड' का प्रयोग कर सकते हैं। इस की-बोर्ड को माउस की मदद से चलाया जाता है। इसके अलावा किसी आर्टिकल को जल्दी लिखना या टाइप करना है तो कुछ एक्सटेंशन की मदद ले सकते हैं, जो वॉयस को टेक्स्ट में बदल देते हैं।

की-बोर्ड खराब होने के बाद माउस से ऐसे करें टाइपिंग

सेटिंग के लिए ऑप्शन पर क्लिक करें

ऑनस्क्रीन की-बोर्ड में दाईं ओर नीचे की तरफ दिए गए 'ऑप्शन' पर क्लिक करें। इसके बाद वहां नई विंडो स्क्रीन खुलेगी। इसमें चौथे नंबर 'हॉवर ओवर कीज' का विकल्प होगा, उस पर क्लिक करें। इसके बाद इसमें समय चुनने का विकल्प मिलेगा। वह समय है जिसमें माउस को किसी अक्षर पर रखने से वह खुद ब-खुद टाइप हो जाएगा। इसे कम और ज्यादा कर सकते हैं। इसके बाद नीचे दिए गए 'ओके' पर क्लिक कर दें। सेटिंग में बदलाव करते वक्त माउस का क्लिक बटन ठीक हो।

बोलकर करें टाइप

ऑनस्क्रीन की-बोर्ड की अपनी एक सीमा है कि इससे तेजी से टाइपिंग नहीं की जा सकती है। इसके लिए क्रोम एक्सटेंशन VoiceNote II - Speech to text की मदद ले सकते हैं। इस एक्सटेंशन से बोलकर किसी भी लेख को टाइप किया जा सकता है। इसे क्रोम वेबस्टोर से ब्राउजर में शामिल कर लें। इसका प्रयोग करने के लिए क्रोम ब्राउजर खोलें। इसके बाद बाईं ओर दिए गए 'एप' के विकल्प पर क्लिक करें। इसके बाद वॉयस नोट सामने आ जाएगा, जिस पर क्लिक करके उसका प्रयोग करें।

ऐसे खोजें ऑनस्क्रीन की-बोर्ड

ऑनस्क्रीन की-बोर्ड खोजना बहुत ही आसान है, इसके लिए कंप्यूटर या लैपटॉप के 'स्टार्ट मेन्यू' पर क्लिक करें और वहां दिए गए 'प्रोग्राम' में जाएं। यहां आपको वर्चुअल की-बोर्ड लिखा मिलेगा। समस्या आने पर विंडोज-7 में स्टार्ट पर दिए गए सर्च बार में on screen keyboard टाइप करें और उसे खोजें। इस पर माउस से क्लिक कर टाइप कर सकते हैं। इसमें वे सभी बटन दिखाई देंगे, जो टाइपिंग में प्रयोग किए जाते हैं।

माउस का क्लिक खराब होने के बाद भी करेगा काम

अक्सर सवाल आता है कि अगर माउस का क्लिक काम नहीं करेगा तो कैसे टाइप करें। ऑन स्क्रीन की-बोर्ड में इस समस्या का भी हल दिया गया है। इसके लिए माउस कर्सर को उस अक्षर के ऊपर ले जाना होगा, जिसे टाइप करना चाहते हैं। मिसाल के तौर पर T टाइप करना चाहते हैं तो कर्सर को अ पर ले जाएं और कुछ समय के लिए रखें। इसके बाद बिना क्लिक किए यह अक्षर खुद ब -खुद टाइप हो जाएगा। इसके लिए ऑनस्क्रीन की-बोर्ड की 'सेटिंग' में बदलाव करना होगा।

अस्वास्थ्य लाइफस्टाइल के बारे में अलर्ट करेगा ये एप, IIT खड़गपुर ने किया तैयार

आईआईटी खड़गपुर की एक रिसर्च टीम ने एक मोबाइल एप्लीकेशन तैयार किया है, जो हर दिन की गतिविधियों और व्यक्ति की धूम्रपान से जुड़ी आदतों के बारे में अलर्ट करता रहेगा। आईआईटी खड़गपुर ने एक स्टेटमेंट के जरिए बताया है कि यह सेंसर बेस्ड एप उपयोगकर्ता को अलर्ट भेजेगा, इसके साथ ही चेतावनी देने के साथ लाइफस्टाइल के दूसरे विकल्पों के बारे में भी बताएगा।

इसके अलावा राजेंद्र मिश्रा स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के जरिए न्यू ट्रैकिंग किट भी विकसित की गई है, जो आईआईटी खड़गपुर में ही स्थित है। इसके अलावा नशे की लत और डिप्रेशन के बारे में भी पता लगाएगी।

यह एप हर दिन की दिनचर्या का एक चार्ट करेगा तैयार

स्टेटमेंट में ये भी कहा गया है कि अगर स्मार्टफोन या फिटनेस बैंड के साथ यह टेक्नोलॉजी सामंजस्य बैठाने में कामयाब हो जाती है तो, यह हर दिन की दिनचर्या का एक चार्ट तैयार करेगी, जिससे आपको वक्त पर खाने और पीने में मदद मिल सकेगी। इसके अलावा यह एप्लीकेशन कॉल और संदेश पर भी निगरानी रखेगा।

वहीं, सहायक प्रोफेसर राम बाबू रॉय कहते हैं कि यह एप्लीकेशन डेटा के निष्कर्ष पर पहुंचने के बाद खुद-ब-खुद निजी सेवाओं की भी सुविधा देगा। रॉय आगे कहते हैं कि हमने चार पार्टिसिपेंट्स पर ये पायलट स्टडी की है। फिर रिसर्च टीम ने जीपीएस डेटा, लोकेशन बेस्ड जानकारी और फिजिकल मूवमेंट के बारे में भी पता लगाया है। इससे हमें स्वास्थ्य और लोगों के स्वभाव के बारे में पता लगाने में मदद मिली। यह एप अलग-अलग वातावरण, कई दूसरे सामान्य और असामान्य गतिविधियां के बीच में भी डेटा खंगालने का भी काम करेगा।

घर भूल गए हैं फोन तो कंप्यूटर पर देख सकते हैं कॉल और मैसेज

सोचिए अगर आपके एंड्रॉयड फोन पर आने वाले कॉल और मैसेज के नोटिफिकेशन आपके विंडोज 10 कंप्यूटर पर आने लगे तो कैसा रहेगा। दरअसल माइक्रोसॉफ्ट के कोरटाना एप के जरिए यह सुविधा प्राप्त की जा सकती है। कुछ यूजर अक्सर फोन घर पर भूल जाते हैं तो यह फीचर उन लोगों के लिए काफी मददगार साबित हो सकता है। वे अपने कॉलेज या दफ्तर के कंप्यूटर से ही फोन पर आने वाले नोटिफिकेशन देख सकते हैं।

फोन की बैटरी लो होने पर मिलेगा अलर्ट

अगर फोन की बैटरी पूरी तरह डिस्चार्ज होने वाली है तो विंडोज 10 के इस फीचर के जरिए यह जानकारी आपके कंप्यूटर पर आ जाएगी। यह फीचर माइक्रोसॉफ्ट के कोरटाना एप के साथ काम करता है। इस फीचर को एक बार चालू करने पर फोन में आने वाले कॉल की जानकारी विंडोज 10 कंप्यूटर पर आने लगेगी। इतना ही नहीं कॉल के अलावा मैसेज एवं अन्य एप जैसे व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम के नोटिफिकेशन भी अपने कंप्यूटर पर प्राप्त किए जा सकेंगे। इस फीचर के जरिए यूजर कंप्यूटर पर अपने फोन की लोकेशन भी देख सकते हैं। इसके लिए कंप्यूटर में मौजूद कोरटाना को बोलकर कमांड देना होगा। उदाहरण के लिए अगर अपना फोन खोजना चाहते हैं तो कंप्यूटर से जुड़े माइक्रोफोन पर 'हे कोरटाना फाइंड माई फोन' बोलना होगा। आपका कंप्यूटर कमांड सुनते ही गूगल मैप खोलकर आपके फोन की लोकेशन दिखा देगा।

कैसे करें इस्तेमाल

- एंड्रॉयड फोन को विंडोज 10 कंप्यूटर से जोड़ने के लिए सबसे पहले फोन में cortana एप डाउनलोड कर लें। फिलहाल गूगल प्लेस्टोर पर यह एप अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए आया है। भारत में इसे एपीके मिरर साइट से डाउनलोड कर सकते हैं। इसे apkmirror. com/ पर जाकर फोन में डाउनलोड कर लें। इसके बाद फोन में एप खोलें और अपने उस ईमेल अकाउंट के साथ लॉग-इन करें, जिसे अपने विंडोज कंप्यूटर पर लॉग-इन किया है। अकाउंट लॉग-इन होने के बाद ऊपर दिए गए तीन डॉट के आइकन पर जाएं। यहां एप की 'सेटिंग्स' में जाकर 'सिंक नोटिफिकेशन' के विकल्प पर क्लिक करें।
- यहां नोटिफिकेशन सिंक करने के लिए चार विकल्प दिए गए हैं। पहला विकल्प मिस कॉल की नोटिफिकेशन का है, दूसरा मैसेज, तीसरा लो बैटरी अलर्ट और अंतिम विकल्प फोन में मौजूद एप के नोटिफिकेशन का है। अगर आप चाहते हैं कि फोन पर आने वाले ये चारों तरह के नोटिफिकेशन आपके कंप्यूटर पर आने लगे तो इन चारों विकल्प को मार्क कर दें।
- इसके बाद अपने विंडोज 10 कंप्यूटर पर कोरटाना खोलें। फिर कोरटाना की सेटिंग में जाएं। इसके बाद 'सेंड नोटिफिकेसंश बिटविन डिवाइसेज' के विकल्प को ऑन कर दें। ऐसा करते ही यूजर का फोन उसके विंडोज 10 कंप्यूटर से जुड़ जाएगा।

Windows में भी ब्लूटूथ हो सकता है ऑन, जानिए कैसे?

कभी-कभी हमें कोई फाइल एक डिवाइस से दूसरी डिवाइस में ट्रॉसफर करने के लिए पेनड्राइव या केबल का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में ब्लूटूथ काफी उपयोगी साबित हो सकता है। ब्लूटूथ के जरिए आप किसी फाइल को बिना किसी केबल या पेनड्राइव की मदद से दूसरी डिवाइस में ट्रॉसफर कर सकते हैं। इसके लिए आपको अपने लैपटॉप में ब्लूटूथ ऑन करना पड़ेगा। आइए आज हम आपको बताते हैं कि आप Windows में ब्लूटूथ कैसे ऑन कर सकते हैं-

पहला तरीका- विंडोज सेटिंग्स में जाकर करें ऑन

ब्लूटूथ डिवाइस ऑन करने से पहले आपको विंडोज के कॉन्फिग्रेशन के बारे में पता लगाना होगा। इसके लिए आपको कंट्रोल पैनल में जाकर यह पता लगाना होगा कि आपके लैपटॉप में विंडोज 7 है या विंडोज 10 ।

विंडोज 10

स्टेप- 1: विंडोज 10 में आपको Action Center ओपेन करना होगा और फिर all settings पर क्लिक करेना होगा। इसके बाद आपको लेफ्ट साइड में ब्लूटूथ पर क्लिक करना होगा।

स्टेप- 2: इसके बाद आपको ब्लूटूथ को ऑन करना होगा। ब्लूटूथ से दूसरे डिवाइस को कनेक्ट करने के लिए आपको ऑन करने के बाद Add Bluetooth or other devices पर क्लिक करना होगा। इसके बाद आपको Bluetooth पर क्लिक करना होगा। इसके बाद विंडोज 10 ब्लूटूथ डिवाइस को सर्च करने लगेगा।

स्टेप-3: आप अपने ब्लूटूथ डिवाइस को पेयरिंग मोड में क्लिक कर चुके होंगे। इसके बाद आपको मौजूद ब्लूटूथ डिवाइस की लिस्ट दिखाई देगी। आप जिस डिवाइस को कनेक्ट करना चाहते हों, उस पर क्लिक करके कनेक्ट कर सकते हैं।

विंडोज- 7

आमतौर पर विंडोज 7 में ब्लूटूथ एक बार इंस्टॉल हो जाता है, तो इसे बार-बार कनेक्ट करनी जरूरत नहीं पड़ती है। यह अपने आप कनेक्ट हो जाता है। कुछ पीसी में ब्लूटूथ कनेक्ट करने के लिए कीबोर्ड में शार्टकट की होती है, जिस पहर क्लिक करके आप ब्लूटूथ ऑन या ऑफ कर सकते हैं।

विंडोज 7 के अलग-अलग पीसी में ब्लूटूथ कनेक्ट करने के तरीके में थोड़ा अंतर होता है, लेकिन बहुत हद तक सभी में एक जैसा होता है। विंडोज 7 में ब्लूटूथ कनेक्ट करने के लिए आपको स्टार्ट बटन पर क्लिक करना होगा। इसके बाद Devices and Printers पर राइट क्लिक करना होगा। फिर Add a device को सलेक्ट करना होगा और इसके बाद Next पर क्लिक करके कनेक्ट कर सकते हैं।

इसके अलावा आप दूसरा तरीका भी अपना सकते हैं। आपको कंट्रोल पैनल में जाकर Hardware and Sound पर क्लिक करना होगा, फिर Devices and Printer पर क्लिक करना होगा। इसके बाद डिवाइस को पेयर करने के लिए दिए जा रहे निर्देशों का पालन करना होगा।

दूसरा तरीका- एक्शन सेंटर में जाकर ब्लूटूथ ऑन करें

विंडोज 10 में ब्लूटूथ को आसानी से कनेक्ट किया जा सकता है। इसमें आपको एक्शन सेंटर में जाना होगा फिर ब्लूटूथ बटन पर क्लिक करके ऑन कर सकते हैं। इसमें ब्लूटूथ आईकॉन बना होता है। एक बार आपने अगर अपने ब्लूटूथ डिवाइस को विडोंज से कनेक्ट कर दिया, तो फिर बार-बार ये तरीका नहीं अपनाना होगा। आपको सिर्फ दोनों का ब्लूटूथ ऑन करना होगा और वह ऑटोमैटिक कनेक्ट हो जाएगा।

रेनसमवेयर अटैक: ये उपाय कर हैकर्स से सुरक्षित रख सकते हैं अपना कंप्यूटर

रेनसमवेयर हमले की मुख्य बातें

- रूसी साइबर सिक्योरिटी फर्म कैस्पेस्की लैब्स के अनुसार, 45,000 से अधिक साइबर हमले रूस, तुर्की, वियतनाम, फिलीपींस और जापान सहित 74 देशों में हो चुके हैं।
- ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा और रूसी आंतरिक मंत्रालय समेत लगभग 100 देशों के अलग-अलग संगठनों के कंप्यूटर हैक कर उनसे फिरौती की मांग की गई है।
- हैकर्स ने माइक्रोसॉफ्ट के विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम में मौजूद एक कमजोरी का फायदा उठाते हुए ऐसे सिस्टम्स पर हमला किया।
- विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम में इस गलती को सबसे पहले अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी ने खोजा था।

बिटकॉइन में मांगी थी फिरौती

- इस गलती को ठीक करने के लिए एजेंसी ने एक टूल अपने लोगों में सार्वजनिक की, जिसे हैकर्स ने चुरा लिया और इसके इस्तेमाल से हैकिंग की।
- हैकर्स ने कम से कम 16 ब्रिटिश अस्पतालों और अन्य सुविधाओं वाले संगठनों के कंप्यूटर को हैक कर सेवाओं को प्रभावित किया है।
- हैकर्स सिस्टम को हैक कर एक रेनसमवेयर मैसेज दे रहे हैं, जिसमें बिटकॉइन के रूप में फिरौती की मांग की जा रही है।
- रूसी आंतरिक मंत्रालय ने एक बयान में पुष्टि की है कि उसके 1,000 कंप्यूटर भी प्रभावित हुए हैं।

हैकिंग से बचने के लिए क्या करें

- अपने कंप्यूटर में कुछ बनियादी चीजों को ख्याल रख आप हैकिंग से बच सकते हैं।
- रेनसमवायरस से बचाने के लिए अपने सिस्टम में एंटीवायरस प्रोग्राम और ऑपरेटिंग सिस्टम को अपडेट रखें।
- अज्ञात स्त्रोत से आए ईमेल को न खोले। इसके अलावा इस मेल से भेजे गए अटैचमेंट और लिंक पर क्लिक न करें।
- ईमेल से प्राप्त हुए फाइलों को खोलने के लिए दिए गए छोटे आदेशों को डिसएबल कर दें।
- यदि संभव हो तो अपने कंप्यूटर पर अपना डेक्सटॉप बनाएं और उसे पासवर्ड से लॉक करें। मजबूत पासवर्ड बनाएं।
- अपने कंप्यूटर में मौजूद फाइलों और फोल्डर्स को सुरक्षित रखने के लिए नियमित अंतराल पर उनका बैकअप लें। बैकअप किसी एक्सटर्नल हार्डडिस्क या सर्वर पर रखें।
- रेनसमवेयर वायरस सिर्फ विंडोज को ही नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि मैक यूजर्स को भी इससे बचना चाहिए।

क्या है रेनसमवेयर अटैक

रेनसमवेयर अटैक भी सामान्य हमलों की तरह होता है। इसमें हैकर अपने शिकार को एक ई-मेल भेजता है इसमें एक लिंक दिया गया होता है। लिंक पर क्लिक करते ही वायरस कंप्यूटर में मौजूद सभी प्रोग्राम, फाइल और फोल्डर्स को लॉकर कर देता है। इसके बाद सिस्टम उपयोगकर्ता अपने सिस्टम में मौजूद किसी भी फाइल को खोल नहीं पाता। इस दौरान उसके स्क्रिन पर एक संदेश भेजा जाता है, जिसमें सभी डेटा के लिए फिरौती की मांग की जाती है।

हैकर्स द्वारा भेजे इस मैसेज में फिरौती के लिए भुगतान करने के निर्देश दिए गए होते हैं। इसमें आमतौर पर बिटकॉइन में भुगतान मांगे जाते हैं। लॉस एंजिल्स के एक अस्पताल पर पिछले साल फरवरी में इसी तरह से साइबर हमला किया गया था, जिसके बाद अस्पताल ने इन हैकरों को 17,000 डॉलर के बराबर बिटकॉइन फिरौती के रूप में दी थी।

शहर में डेंगू लारवा के 32 मामले आए सामने, 476 घरों में की गई जाँच

■ जालंधर/नीरज

स्वास्थ्य विभाग की एंटी लारवा सैल ने बुधवार को तंदरूस्त पंजाब अभियान के दौरान पानी से होने वाली बीमारियों के खिलाफ शहर के विभिन्न स्थानों पर डेंगू लारवा के 32 मामलों के बारे में पता लगाया। श्री गुरविंदर सिंह, श्री शक्ति गोपाल, श्री गुरपाल सिंह, श्री सतवंत सिंह, श्री करम सिंह, श्री शेर सिंह, श्री सुखजिंदर, श्री राजविंदर सिंह, श्री विनोद कुमार, श्री अमित कुमार, श्री राज कुमार, और श्री कमलदीप ने बस्ती दानिशमंदन, बिक्रमपुरा, दीप नगर, राज नगर, कोट लख पट राय, तारा चंद कालोनी, सरस्वती विहार और जिला प्रशासनिक कम्पलैक्स में विशेष जाँच की। टीमों ने 1990 की आबादी को कवर करने वाले 476 घरों का दौरा किया और 216 खाली कूलरों और 432 खराब कंटेनरों की जाँच की।

टीमों के सदस्यों ने लोगों को बताया कि डेंगू, मलेरिया, और अन्य बीमारियों फैलाने के लिए कूलर, कंटेनर मच्छरों के प्रजनन स्थल के रूप में काम कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य मच्छरों के लारवा के उत्पादन के लिए संवेदनशील स्थानों की पहचान करना है। उन्होंने कहा कि यह विशेष जाँच तंदरूस्त पंजाब मिशन के अधीन ड्राइव का एक हिस्सा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पानी से होने वाली बीमारियों को पहले से अच्छी तरह से जांचा गया था।

यूपीः वाराणसी के सभी घाटों पर लगेंगी एलईडी स्क्रीन, गंगा आरती का होगा लाइव टेलीकास्ट

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर और सभी घाटों पर गंगा आरती के सीधे प्रसारण के लिये बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाएगा।

केन्द्र सरकार की मुख्य निर्माण कंपनी सीपीडब्ल्यूडी के अनुसार काशी विश्वनाथ मंदिर और गंगा नदी के बीच प्रस्तावित गलियारे पर भी एलईडी स्क्रीन लगाई जाएंगी। योजना के अनुसार विश्वनाथ मंदिर में होने वाली आरती का भी इन एलईडी स्क्रीनों पर सीधा प्रसारण किया जाएगा।

एक अधिकारी के अनुसार परियोजना पर करीब 11.5 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

वाराणसी वैसे तो अपने घाटों के लिए जाना जाता है, पर इसमें सबसे खास है दशाश्वमेध घाट जहां की गंगा आरती पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। यहां की आरती उसमें गाए जाने वाले भजन, शंखों की आवाज और बेला-चमेली के फूल और धूप बत्तियों की खुशबू एक अलग अहसास देती है।

ऐसा कहा जाता है कि इस जगह पहली बार आरती तब की गई थी जब पहली बार भगवान शिव यहां आए थे. खुद देवगणों ने आरती की थी. फिर राजा-महाराजाओं ने इस परंपरा को जिंदा रखा. उसके बाद यह आरती निरंतर होती आ रही है। गंगा जी की ये आरती शाम को सूरज ढलने के बाद शुरू होती है, जो करीब 45 मिनट की होती है. आरती से पहले ही भक्तों की भीड़ घाट पर पहुंचना शुरू हो जाती ह। इसके अलावा यहां शीतला माता का मंदिर भी है जो भक्तों की आस्था का केंद्र है।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर-निगम ने लहराया तिरंगा

सचिन बत्रा

रमनजीत सिंह

अशोक भील

स्वर्ण सिंह

■ जालंधर/नीरज

नगर-निगम की ओर से स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर तिरंगा फहराने की रसम जालंधर के मेयर जगदीश राजा ने फहरा कर अदा की। इस अवसर पर नगर-निगम कमिश्नर और समूह उच्चाधिकारीगण भी उपस्थित थे। मेयर साहिब और आए हुए मुख्याथियों ने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर पार्षद और नगर-निगम के अधिकारी, कर्मचारी, पुलिस प्रशासन और फायर बिग्रेड भी उपस्थित थे। इस मौके पर निगम के अधिकारियों की तरफ से अच्छा काम करने वाले मुलाजिमों रमनजीत सिंह सैनटरी इंस्पैक्टर, अशोक भील डिपलाईड सैनटरी इंस्पैक्टर, सचिन बत्रा बुढ़ापा पैंशन ब्रांच, स्वर्ण सिंह क्लर्क प्रापर्टी टैक्स, अशोक कुमार साईंस मास्टर सरकारी सीनियर सैकंडरी स्कूल (वाखल-धालीवाल जालंधर) के नाम घोषित करके आजादी दिवस पर सम्मानित किया। इस अवसर पर नेहरू गार्डन स्कूल के बच्चों को रंगारंग कार्यक्रम पेश करने के बाद नगर-निगम की ओर से स्कूल बैग व मिठाई भी बांटी गई और सभी को बधाई दी गई।

अब पाक से बातचीत सिर्फ पीओके पर होगी : राजनाथ सिंह

कालका /ब्यूरो

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के साथ बातचीत तब तक संभव नहीं है जब तक वह आतंकवाद को सहयोग देना एवं उसको बढ़ावा देना बंद नहीं करता है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि अगर पाकिस्तान से बातचीत होगी तो केवल पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर होगी। विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा की जन आशीर्वाद रैली को हरी झंडी दिखाने से पहले सिंह एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि अगर बातचीत (पाकिस्तान के साथ) होती है तो यह पीओके (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) पर होगी न कि किसी अन्य मुद्दे पर। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान के साथ किसी तरह की वार्ता होनी है तो उन्हें आतंकवाद को सहयोग करना और प्रोत्साहित करना बंद करना होगा। रक्षा मंत्री ने सवाल किया कि हम उनसे किस मुद्दे पर बात करें और क्यों करें? संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को खत्म करने के बारे में उन्होंने कहा कि इस कदम से पड़ोसी देश कमजोर हुआ है और यह उनके लिए चिंता का कारण बन गया है। उन्होंने कहा कि अब वह (पाकिस्तान) हर दरवाजे को खटखटा रहा है और खुद को बचाने के लिए विभिन्न देशों से सहयोग मांग रहा है।

हमने क्या अपराध किया है? हमें क्यों धमकी दी जा रही है? बहरहाल, दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका ने पाकिस्तान को झिड़क दिया है और उसे भारत के साथ वार्ता शुरू करने के लिए कहा है।

हुड्डा ने 370 पर मोदी सरकार के समर्थन के साथ चुनावी वादों की बौछार की

■ रोहतक/ब्यूरो

हरियाणा में चुनावी बिगुल फूंकते हुए कांग्रेस के कद्दावर नेता और पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा ने अनुच्छेद 370 पर पार्टी के आधिकारिक रुख से दूरी बनाते हुए साफ किया है कि वो देशभक्ति और स्वाभिमान के साथ समझौता नहीं कर सकते। इसके साथ ही पूर्व सीएम ने चुनावी वादों की भरमार करते हुए कहा कि अगर उनकी सरकार बनी, तो अलग-अलग जातियों के चार उप मुख्यमंत्री बनाए जाएंगे। चुनाव में सूबे की सभी जातियों को अपनी ओर खींचने की कवायद में हुड्डा ने कहा कि पहले भी 10 साल तक सरकार चलाई है और 36 बिरादरियां साथ दें, तो फिर से 10 साल सरकार चलाउंगा। इसके लिए 13 विधायकों सहित 25 सदस्यीय कमेटी बनाएंगे और कमेटी के सुझाव के मुताबिक काम करेंगे.

वादों की झड़ियां लगाते हुए उन्होंने रोहतक में विशाल रैली को संबोधित किया और कहा कि प्राइवेट नौकरियों में हरियाणा के लोगों के लिए 75 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया जाएगा। बुढ़ापा पेंशन पांच हजार रुपए महीना किया जाएगा और हरियाणा रोडवेज में महिलाओं का सफर मुफ्त में होगा।

पृष्ठ 1 का शेष

अफवाहों पर रोक के लिए...

रविवार को 14वें दिन घाटी के कई हिस्सों में पाबंदियां जारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि उन इलाकों में फिर से पाबंदियां लगा दी गई है जहां शनिवार को हालात बिगड़ गए। शहर में कई स्थानों पर और घाटी में अन्य जगहों पर पाबंदियों में ढील दी गई थी जिसके बाद परेशानी पैदा हो गई थी। उन्होंने बताया कि करीब 12 स्थानों पर प्रदर्शन हुए जिसमें कई प्रदर्शनकारी जख्मी हो गए। बहरहाल, अभी यह पता नहीं चला है कि कितने लोग घायल हुए। अधिकारियों ने बताया कि करीब 300 तीर्थयात्रियों के साथ आ रहे विमान सुबह श्रीनगर हवाईअड्डे पहुंचे। सरकार के प्रवक्ता रोहित कंसल ने शनिवार को बताया था कि घाटी में 35 पुलिस थाना इलाकों में प्रतिबंधों में ढील दी गई। हालांकि, कई स्थानों पर युवाओं और सुरक्षाबलों के बीच झड़पें देखने को मिली जिसके बाद पाबंदियों को फिर से लागू कर दिया गया। शनिवार शाम को कंसल ने कहा कि घाटी में छह स्थानों पर प्रदर्शन हुए जिनमें आठ लोगों को चोटें आयी। उन्होंने बताया कि शहर के सिविल लाईंस इलाकों और घाटी में अन्य जिला मुख्यालयों में कुछ निजी वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं।

इन इलाकों में कुछ दुकानें भी खुली हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक दिलबाग सिंह ने कहा कि पुलिस आतंकवादियों पर निरंतर दबाव बना कर उन्हें अलग-थलग करने का प्रयास कर रही है ताकि वे आम लोगों को बहका नहीं सकें। उन्होंने कहा, पुलिस, अर्द्धसैनिक बलों और सेना को सम्मिलित कर बनाई गई सुरक्षा टीमों ने शानदार काम किया है, लेकिन हमें राज्य के लोगों की तरफ से दिए गए सहयोग को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

बारिश की चपेट में पूरब-पश्चिम-उत्तर-दक्षिण, नौ राज्यों में करीब 300 लोगों की मौत

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

उत्तर भारत में मूसलाधार बारिश का दौर जारी है. पंजाब में भाखड़ा बांध से अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के चलते चेतावनी जारी की गई है। दिल्ली में शनिवार को यमुना नदी का जलस्तर चेतावनी के स्तर के करीब पहुंच गया। वहीं बाढ़ग्रस्त केरल में हालात सामान्य हो रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में अगले 48 घंटे में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है. पानी में डूबे देश के नौ राज्यों में करीब 300 लोगों काल के गाल में समा चुके हैं।

जम्मू क्षेत्र के कई इलाकों में भारी बारिश

जम्मू क्षेत्र के कठुआ और सांबा जिले अचानक आई बाढ़ से प्रभावित हैं। अचानक आई बाढ़ में शनिवार को जम्मू में एक 47 वर्षीय व्यक्ति बह गया जबकि कठुआ और सांबा जिलों में 15 लोगों को बचा लिया गया। जम्मू क्षेत्र के कई इलाकों में भारी बारिश हुई है जिसके चलते तावी नदी समेत प्रमुख नदियों का जलस्तर बढ़ गया है और निचले इलाकों में जलभराव हो गया है. मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि कटरा में शुक्रवार रात से सबसे अधिक 133.4 मि.मी. बारिश हुई है।

पंजाब: भाखड़ा बांध से पानी छोड़ने के बाद अलर्ट जारी

पंजाब में भाखड़ा बांध के आस पास के इलाकों में भारी बारिश होने के कारण बांध से अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के बाद राज्य के कई जिलों में चेतावनी जारी की गयी है। अधिकारियों ने बताया कि भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड के अधिकारियों ने 17 हजार क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ा है और कुल 53 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जाना है। उन्होंने बताया कि बाकी बचे 36 हजार क्यूसेक पानी बिजली उत्पादन के लिए इसके इस्तेमाल के बाद छोड़ा जाएगा। अधिकारी ने बताया कि स्थिति की नजदीक से निगरानी की जा रही है। भाखड़ा बांध में शनिवार को जलस्तर 1674.5 फुट से अधिक दर्ज किया गया जो पिछले साल की इसी अवधि की अपेक्षा 60 फुट अधिक है. इसका अधिकतम भंडारण क्षमता 1680 फुट है। अधिकारी ने बताया कि भाखड़ा बांध में पानी की आवक 59,000 क्यूसेक दर्ज की गई है। शनिवार को पंजाब के लुधियाना, अमृतसर, मोहाली और राजधानी चंडीगढ़ में भारी बारिश हुई है।

राजस्थान में भारी बारिश जारी, अब तक 11 की मौत

राजस्थान के अनेक इलाकों में भारी बारिश का दौर शनिवार को भी जारी रहा. नागौर के डेगाना में बीते चौबीस घंटे में 17 सेंटीमीटर तक बारिश

हो चुकी है। राज्य के अनेक मौसमी नदी नाले भर गए हैं जबकि चंबल खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। जयपुर को पानी आपूर्ति करने वाला बीसलपुर बांध भी लगभग भर गया है। इस बीच राज्य में बारिश से हुए विभिन्न हादसों में मरने वालों की संख्या 11 हो गयी है। इनमें से अधिकांश मौतें शुक्रवार दिन या रात में हुई।

मौसम विभाग के अनुसार शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक बीते चौबीस घंटे में पूर्वी व पश्चिमी राजस्थान में सात सेंटीमीटर से लेकर 17 सेंटीमीटर तक बारिश हुई। पूर्वी राजस्थान में अजमेर, माउंट आबू, पुष्कर व किशनगढ़ इलाके में सबसे अधिक क्रमशः 15 सेंटीमीटर, 14 सेंटीमीटर, 13 सेंटीमीटर व 13 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गयी. विभाग ने आगामी 24 घंटों के दौरान राज्य में कई जगह भारी से बहुत भारी बारिश होने की चेतावनी जारी कर रखी है।

आंध्र प्रदेश में भारी बारिश में डूबे 87 गांव

आंध्र प्रदेश में भी भारी बारिश हुई है जहां कृष्णा नदी में उफान के चलते दो जिलों के 87 गांव और सैंकड़ों एकड़ कृषि भूमि पानी में डूब गई है. राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने एक लड़की का शव बरामद किया है जो कृष्णा जिले में उफनती नदी में बह गई थी।

कृष्णा और गुंटूर जिलों में 11,553 लोगों को 56 राहत शिविरों में भेजा गया है जहां उन्हें भोजन और पेयजल मुहैया कराया जा रहा है. राज्यपाल विश्वभूषण हरिचन्दन ने कृष्णा के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया, जबकि मंत्रियों ने विजयवाड़ा शहर में प्रभावित इलाकों का दौरा कर राहत कार्यों की निगरानी की।

हिमाचल: ट्रैक पर मलवा गिरने से विश्व धरोहर कालका-शिमला ट्रैक बंद

हिमाचल प्रदेश में उफनते बांध से 17 वर्षीय किशोर का शव बहता मिला है। राज्य में भूस्खलन की घटनाओं के चलते कई सड़कें बंद हैं। कांगड़ा जिले के सभी शैक्षिक संस्थानों को भी मूसलाधार बारिश के चलते शनिवार को बंद रखने के लिये कहा गया। पालमपुर के निकट बाढ़ में फंसे कई लोगों को बचा लिया गया। भारी भूस्खलन के चलते विश्व धरोहर कालका-शिमला हैरिटेज ट्रैक बंद कर दिया गया है, इस रूट पर चलने वाली सभी दस ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। रेलवे की टीम मलबे को हटाने पहुंच गई है लेकिन भारी बारिश के चलते मलबा हटाने का काम शुरू नहीं किया जा सका है।

जुलाई से अब तक हिमा दास ने जीते सात गोल्ड मेडल, 300 मीटर दौड़ में मारी बाजी

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

एथलेटिक्स मिटिनेक रीटर 2019 में 300 मीटर स्पर्धा में शीर्ष पर रही।

भारत के शीर्ष फर्राटा धावकों हिमा दास और मोहम्मद अनस ने चेक गणराज्य में एथलेटिकी मिटिनेक रीटर स्पर्धा में क्रमशः पुरुष और महिला 300 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते। दो जुलाई से यूरोपीय स्पर्धाओं में यह हिमा का छठा स्वर्ण पदक है। इस स्पर्धा में हालांकि अधिकांश बड़े नामों ने हिस्सा नहीं लिया। हिमा ने शनिवार को स्वर्ण पदक जीतने के बाद ट्वीट किया कि चेक गणराज्य में आज 300 मीटर दौड़ 32.41 सेकेंड के समय के साथ जीती।

उन्होंने ट्वीट किया कि चेक गणराज्य में एथलेटिकी मिटिनेक रीटर 2019 में पुरुष 300 मीटर का स्वर्ण पदक 32.41 सेकेंड के समय के साथ जीतने की खुशी है। राष्ट्रीय रिकार्ड धारक अनस सितंबर-अक्टूबर में दोहा में होने वाली विश्व चैंपियनशिप को 400 मीटर स्पर्धा के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं जबकि हिमा ने अब तक ऐसा नहीं किया है।

दूसरी तरफ अनस ने पुरुष 300

विश्व विजयी तिरंगा प्यारा झण्डा ऊंचा रहे हमारा

विजय कुमार

उन दिनों मैं कक्षा 2 का विद्यार्थी था एक सरकारी स्कूल में जो गुरदासपुर जिला के बटाला शहर में है। उन दिनों अमीर-गरीब सभी लोगों के बच्चे सरकारी स्कूल में ही पढ़ते थे कोई भेदभाव ऊंच-नीच जैसा प्रश्न नहीं होता था। सब एक दूसरे से मिलकर रहते थे मेरे साथ पढ़ने वाले सहपाठी, तारा, गोपी, कृष्ण, वाल्मीक समुदाय से थे मैं अशोक, सतीश प्रभाकर, ब्राहण थे तो बच्चन लाल, हरिजन समुदाय से। कपिल, हरीश वैश्य समुदाय से थे जो उस समय का संपन्न परिवार जाना जाता था। भाव यह कि किसी प्रकार से गरीबी, अमीरी जाति-पाति कहीं आड़े नहीं आती थी। देश आजाद हुए कुल 12 वर्ष हुए थे खाकी निकर और खाकी कमीज और सर पर सफेद टोपी उन दिनों स्कूल की वर्दी हुआ करती थी। हैडमास्टर सरदार दीवान सिंह तिरंगा लहराते थे। रायसाहब रमेश चन्द्र और राम नाथ जी तथा मास्टर जगदीश चन्द्र स्कूल के अध्यापक थे। मास्टर जगदीश युवा अध्यापक थे, जो तिरंगा लहराने के उत्सव की तैयारी करवाया करते थे। बच्चों को विश्वविजयी तिरंगा प्यारा झंडा ऊंचा रहे हमारा का गीत सिखाते थे। उनकी आकांक्षा

तिरंगे को विश्वविजय देखने की थी। उन दिनों जब भारतीय सेना के पास पर्याप्त बंदूकें भी नहीं हुआ करती थी, परंतु सपना विश्वविजय का था। जब वास्तव में भारत विश्व पटल पर विजय एक महाशक्ति है, आज मुझे उन युगों दृष्यतों अधियापिकों की दूरदर्शिता और इच्छाशक्ति एवं राष्ट्रनिर्माणा के प्रति सहयोग की भावना पर गर्व होता है। उन्हीं राष्ट्र निर्माताओं की आकांक्षाओं को पूर्णता की ओर ले जाते देश के प्रधानमंत्री। जैसे शिष्य पर जो तत्कलीन नेता थे पराये अधियापन से ही जुड़े लोग थे। उन्हीं के पथ प्रदर्शन के प्रणाम के स्वरूप ये संभव हुआ काश आज भी वैसे अध्यापक हो जिन्हें निजी हितों से राष्ट्रहित प्रिय थे। वैसे नेता हो जिन्हें राष्ट्र हित सर्वाप्रिय हो धन्य थे वो लोग जो राष्ट्र को समर्पित थे जिनके समापन से भारत विश्व पटल पर छा सका।